10 / 09 / 75की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

नॉलेजफुल, पावरफुल और सक्सेसफुल आत्मा बनने का अनुभव

➢➢ नॉलेजफुल और पावरफुल आत्मा ही सक्सेसफुल बन सकती है

➳_➳ मैं एक दिव्य ज्योति पुँज हूँ

→ मैं एक तेजोमय सितारा हूँ

■ देह के भव्य-भाल पर विराजमान एक चमकती हुई मणि हूँ

· मेरा मन अब शान्त हो गया है, मेरी बुद्धि स्थिर हो गई है

➳_➳ मैं फरिश्ता अब इस देह से निकल उड़ चली हु सूक्ष्म वतन की और

→ चारो और सफेद प्रकाश ही प्रकाश छाया हुआ है

■ मेरे सामने बापदादा बाहें पसारे खड़े है और मेरा आह्वान कर रहे है

· "आओ बच्ची आओ" मैं आत्मा दौडकर बाबा की बाहों में समा जाती हु

➳_➳ बाबा मुझ आत्मा को पावरफुल द्रष्टि से

→ निहाल करते है और मैं आत्मा बाबा से

■ हर सब्जेक्ट में पावरफुल बनने का

■ नॉलेजफुल बनने का वरदान ले रही हूँ

➳_➳ वर्तमान समय अभी 2 सब्जेक्ट

→ में ही पावरफुल बनने की आवश्यकता है

■ एक तो है याद अर्थात पावरफुल

■ दूसरा ज्ञान अर्थात नॉलेजफुल

· इन दो सब्जेक्ट का OBJECT है SUCCESSFUL

· इसी से ही प्रत्यक्षता भी होगी

→ मैं आत्मा बाबा को प्रत्यक्ष करने के कार्य में सफलता को हासिल कर रही हूँ

■ इस "प्रत्यक्ष फल का वरदान सिर्फ संगमयुग" को ही मिला हुआ है

· इस समय का प्रत्यक्ष फल मुझ आत्मा के भविष्य फल को प्रख्यात करेगा

→ बाबा ने अपना वरदानी हाथ मेरे सिर पर रखा और मुझ आत्मा को

■ मास्टर नॉलेजफुल भवः

■ सफलतामूर्त भवः

■ बाप समान सम्पन और सम्पूर्ण भवः

· के वरदानो से बाबा मुझ आत्मा की बुध्धि रूपी झोली भर रहे है

→ मैं आत्मा बाबा का नामबाला कर रही हूँ

→ जागती ज्योत बन अथक होकर

■ मैं आत्मा अपने तन मन धन को सम्पूर्ण रीती से सेवा में लगा रही हूँ

■ 20 नाखूनों का जोर लगाकर मैं आत्मा बाबा को

 प्रत्यक्ष करने की सेवा में तत्पर हूँ

 इसमें अलबेलापन, आलस्य और थकावट जैसी कमजोरी को अपने आसपास भी नहीं आने देती हूँ

 ऐसे मैं आत्मा स्वयं का परिवर्तन कर विश्व परिवर्तन के कार्य में लगी हुई हूँ

➳_➳ मैं आत्मा बाप समान सिद्धि स्वरूप हु

→ मैं आत्मा हर संकल्प से वरदानी, नजर से वरदानी

■ और नजर से निहाल करने वाली बापदादा की समीप आत्मा हूँ

· समीप अर्थात समा जाना अर्थात बाप समान सम्पूर्ण स्टेज का अनुभव

· मैं आत्मा भी कर रही हूँ और दुसरो को भी करा रही हूँ

➳_➳ मैं आत्मा बाप समान सदा अथक हो हर संकल्प, बोल, कर्म का प्रत्यक्ष फल अनुभव करने वाली सर्व प्राप्ति संपन्न आत्मा हूँ

→ बाबा अपना हाथ मेरे हाथ में देते हुए अपनी सारी शक्तिया, सारे गुण मुझ आत्मा में ट्रान्सफर करते है

■ और मैं आत्मा बाबा से सर्व गुण और शक्तियों को स्वयं में भरते हुए

· वापस इस तन में अवतरित होती हु